आयुष महाविद्यालयों के संबद्धता शुल्क पर कार्य परिषद की लगी मुहर

अमर उजाला ब्यूरो

गोरखपुर। मदन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सभागार में शुक्रवार को भटहट के पास पिपरी में बन रहे वाले महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय के कार्य परिषद की पहली बैठक आयोजित की गई।

अपर मुख्य सचिव आयुष एवं वित्त प्रशांत त्रिवेदी की मौजूदगी में परीक्षाओं के संचालन, पाठ्यक्रमों व महाविद्यालयों के संबद्धता शुल्क पर मुहर लगी। तय हुआ कि भवन निर्माण पूरा होने पर आयुर्वेद, होम्योपैथ, यूनानी, योग व नेचुरोपैथ का बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) संचालित किया जाएगा। बैठक में चिकित्सालय के लिए पदों के सृजन, एमडी की परीक्षा, अनुसंधान के संबंध में भी निर्णय लिए गए। संबद्धता के लिए निजी महाविद्यालयों में 100 सीट पर 1.50 लाख और 60 सीट पर 1.30 लाख रुपये और राजकीय महाविद्यालयों में सौ सीट पर 40 हजार व 60 सीट पर 30 हजार रुपये शुल्क लिए जाएंगे। निजी महाविद्यालयों से स्नातकोत्तर के प्रति छात्र के हिसाब से पांच हजार व राजकीय महाविद्यालयों से दो हजार रुपये अतिरिक्त शुल्क लिए जाएंगे।

अध्यक्षता कुलपति प्रो. एके . ह ने किया। बैठक में निदेशक होम्योपैथिक सेवाएं प्रो. आनंद चतुर्वेदी, निदेशक यूनानी सेवाएं प्रो. अब्दुल वाहिद व कुल सचिव आरबी सिंह आदि मौजूद रहे।

भवन निर्माण पूरा होते ही शुरू होगी ओपीडी

अपर मुख्य सचिव ने किया निरीक्षण

गोरखपुर। अपर मुख्य सचिव आयुष एवं वित्त प्रशांत त्रिवेदी ने निर्माणाधीन महायोगी गुरु गोरखनाथ राज्य आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों की प्रगति देखी। सड़कों व भवनों के निर्माण में तेजी लाने का निर्देश दिया।

छह गुना बढ़ा आयुष दवाओं का कारोबार

व्याख्यान : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस 28 को

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : केंद्रीय आयुष मंत्रालय के सचिव पद्मश्री वैद्य डा. राजेश कोटेजा ने कहा कि छह साल में आयुष दवाओं का कारोबार छह गुना बढ़ा है। वह बुधवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम, बालापार के प्रथम स्थापना दिवस (28 अगस्त) के उपलक्ष्य में और महंत दिग्विजयनाथ व महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में आयोजित सप्तदिवसीय व्याख्यानमाला के तीसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2014 में किए गए एक उच्चस्तरीय अध्ययन में निष्कर्ष निकला था कि देश में आयुष उद्योग का आकार तीन बिलियन डालर का है। 2020 में दोबारा हुए अध्ययन में यह आंकड़ा 18.1 बिलियन डालर पहुंच चुका था। व्याख्यान का विषय था- 'आजाद भारत में आयुर्वेद : 2014 के पूर्व एवं इसके बाद'।

डा. कोटेजा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास से मिली आयुष की सफलता पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) भी मुरीद हो गया है। वह गुजरात के जामनगर में अपना सेंटर स्थापित कर रहा है, इसमें आयुष की महत्वपूर्ण भूमिका है। विशिष्ट वक्ता केजीएमयू, लखनऊ के पूर्व कुलपति प्रो. एलएमबी भट्ट ने कहा कि आयुर्वेद बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव के साथ ही उनके उपचार की एक सुव्यवस्थित प्रणाली है। 2014 में पीएम मोदी ने केंद्र में अलग से आयुष मंत्रालय बनाया। नेशनल आयुष मिशन की स्थापना की गई। उत्तर प्रदेश में 2017 में योगी आदित्यनाथ ने सीएम बनने के बाद प्रदेश में आयुष विभाग की स्थापना की। इससे आयुष का प्रचार-प्रसार तेजी से हुआ।

व्याख्यान को संबोधित करते केंद्रीय आयुष मंत्रालय के सचिव पद्मश्री वैद्य डा. राजेश कोटेजा • जागरण

अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल वाजपेयी ने की। स्वागत गुरु गोरक्षनाथ कालेज आफ नर्सिंग की प्राचार्य डा. डीएस अजीथा व आभार ज्ञापन साध्वी नंदन पांडेय ने किया। संचालन शांभवी शुक्ला व आशीष चौधरी ने किया। इस अवसर पर महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह, भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डा. जीएन सिंह, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कालेज के प्रो. गणेश बी पाटिल, डा. प्रज्ञा सिंह, डा. सुमित कुमार उपस्थित थे।

सत्र 202

आयु